पुरातत्ववेत्ता अरूण शर्मा को पद्मश्री

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 25 जनवरी। छत्तीसगढ़ के 84 वर्षीय शीर्ष पुरातत्ववेता अरूण शर्मा इस बार पद्मश्री से सम्मानित होंगे। श्री शर्मा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि बुधवार सुबह 11 बजे दिल्ली गृह मंत्रालय से फोन पर उन्हें पद्मश्री देने की सूचना मिली। उनसे कहा गया कि तीन महीने बाद उन्हें राष्ट्रपति द्वारा पद्मश्री दिया जाएगा।

विगत 58 सालों से पुरातत्व के क्षेत्र में अनवरत अन्वेषण कर रहे पुरातत्ववेत्ता अरूण शर्मा वर्ष 1959 से 1992 तक भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग में सेवारत रहे। इस दौरान उन्होंने देश-विदेश में किए गए अन्वेषण पर केंद्रित 35 पुस्तकें लिखी। सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने छत्तीसगढ़ के मनसर, सिरपुर और राजिम अन्वेषण के जरिए छत्तीसगढ़ के पुरातात्विक वैभव को तलाशा। उनके मार्गदर्शन में सिरपुर उत्खनन के जरिए हिंदु, बौद्ध और जैन धर्म के समवेत होने का जहां पुरातात्विक प्रमाण मिला, वहीं बालोद के पास करकाभाट में महापाषाण कालीन अवशेष प्राप्ति में सफलता मिली।

पुरातत्व के प्रति समर्पित अरूण शर्मा वर्तमान में पुरातात्विक सलाहकार के रूप में छग शासन को बिना किसी मानदेय के अपनी सेवाएं दे रहे हैं। अशोक शर्मा के समर्पित कार्य के कारण इंडियन कौंसिल ऑफ हिस्ट्री की ओर से सीनियर फैलोशिप भी दी गई।

श्री शर्मा ने बताया कि उन्होंने मणिपुर, नागालैंड, मेघालय, सिक्किम, लक्षद्वीप, लद्दाक, उत्तराखंड सहित देश के सभी हिस्से में पुरातात्विक अन्वेषण का काम किया। उन्होंने फ्रांस में भी अन्वेषण किया। रिटायरमेंट के बाद भी उनकी सक्रियता कायम है। हाल में मार्गदर्शन से हरिद्वार में मां आनंदमयी संग्रहालय का निर्माण हुआ है मुंबई के निकट गुरुदेव सिद्धपीठ गणेशपुरी में भी उन्होंने अन्वेषण कार्य किया।

गणतंत्र दिवस की झांकियों में जंगल सफारी और उज्ज्वला योजना शामिल

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 25 जनवरी। गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस ग्राउंड में इस बार प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, सुजला सौर योजना जंगल सफारी सहित छत्तीसगढ़ के विकास को दर्शाया जाएगा। इस बार अब तक विभिन्न विभागों की 17 झांकियों का पंजीयन कराया जा चुका है। झांकियों को अंतिम रूप देने में हुनरमंद जुटे हुए हैं।

खाद्य विभाग द्वारा इस बार प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना को दर्शाया जाएगा। उज्ज्वला योजना को दर्शाने के लिए अंबिकापुर की पवित्रा सहित अन्य हुनरमंद ग्रामीण दृश्य को उपस्थित करने के लिए मिट्टी के चूल्हे आदि तैयार करने में जुटे हुए हैं।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर बाल्को द्वारा मंगलयान में प्रयुक्त बाल्को के एल्युमेनियम को जहां दर्शाया जाएगा वहीं छग में 2 सौ

नंदघर सहित देश में 4 हजार नंदघर बनाए जाने की योजना को दर्शाया जाएगा। प्रबंधक गजेन्द्र सिंह ने बताया कि झांकी में छग की पारम्परिक विरासत बस्तर आर्ट को प्रमुखता से प्रदर्शित करते हुए बाल्को की उपलब्धि को दर्शाया जाएगा।

भिलाई इस्पात संयंत्र की झांकी में विश्व स्तर पर रेल पटरियां बनाए जाने की बीएसपी की उपलब्धि सहित संयंत्र के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भिलाई में बनाए गए स्मारक को प्रदर्शित किया जाएगा।

पंचायत विभाग की झांकी में ग्रामीण क्षेत्र में उपलब्ध कराए जाने वाली आवास योजना को दर्शाया जाएगा। लोक निर्माण विभाग की झांकी में नक्सल क्षेत्र में होने वाले विकास को दर्शाया जाएगा।

महिला एवं बाल विकास विभाग की झांकी में आंगनबाडी सहित विकास के अन्य सोपानों को प्रदर्शित किया जाएगा। वन विभाग द्वारा इस वर्ष विभागीय झांकी में जंगल सफारी को दर्शाया जाएगा।

कृषि विभाग की झांकी में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, सिंचाई योजना को दर्शाया जाएगा। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की झांकी में स्मार्ट सिटी का प्रादर्श प्रस्तुत किया जाएगा। इसके अलावा साउथ ईस्टर्न कोलफील्डस लिमेटेड, आवास एवं पर्यावरण विभाग, उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी विभाग, जेल विभाग, एनटीपीसी, एनएमडीसी की झांकियां शामिल की जाएगी।

बचत स्कीम का लाभ नहीं, बिग बाजार पर जुर्माना

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 25 जनवरी। भिलाई के एक ग्राहक ने वहीं की सूर्या ट्रेजर आइसलैंड मॉल स्थित बिग बाजार से दैनिक उपयोग का सामान खरीदा, लेकिन उसे वहां चल रही बचत स्कीम का लाभ नहीं मिला। च्यवनप्राश में अंकित मूल्य से 15 रुपए अधिक भी वसूल लिए गए। राज्य उपभोक्ता आयोग ने दोनों राशि लौटाने के साथ बिग बाजार पर 15 हजार रुपए जुर्माना लगाया है।

भिलाई निवासी प्रसन्ना पराशर ने 29 अगस्त 2015 को बिग बाजार से च्यवनप्राश, फेसबॉश, डिटर्जेट व साबुन खरीदा, जिसका कुल बिल 593 रुपए बना और उसने डेबिट कार्ड से उसका भुगतान किया। इस दौरान 76 रुपये बचत स्कीम का लाभ कम्प्यूटर में खराबी के चलते देने से मना कर दिया गया। च्यवनप्राश में अंकित मूल्य 280 से 15 रुपए अधिक वसूलने की शिकायत करने पर कर्मचारियों ने उसके साथ दुव्यर्वहार किया।

जिला उपभोक्ता फोरम दुर्ग ने मामले की सुनवाई करते हुए बचत स्कीम व अधिक वसूली की राशि 91 रुपये लौटाने कहा। इसके अलावा 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया। बिग बाजार प्रबंधन ने फोरम के फैसले को राज्य उपभोक्ता आयोग में चुनौती दी। आयोग ने भी स्कीम व ज्यादा वसूली की राशि लौटाने कहा है। राशि नहीं लौटाने पर 12 प्रतिशत ब्याज देने, 10 हजार रुपये मानसिक क्षतिपूर्ति व 5 हजार रुपए वाद व्यय देने कहा है।

लांगकुमेर को राष्ट्रपति पुलिस पदक

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 25 जनवरी। गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर इस वर्ष टी.जे. लांगकुमेर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक को विशिष्ट सेवा हेतु राष्ट्रपति का पुलिस पदक दिया जाएगा। इनके अलावा 9 पुलिस कर्मियों को पुलिस वीरता पदक 10 पुलिस कर्मियों को सराहनीय सेवा हेतु भारतीय पुलिस पदक दिया जाएगा।

पुलिस ग्राउंड में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर राज्यपाल बलरामजी दास टंडन द्वारा टी.जे. लांगकुमेर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक रेल / यातायात को इस बार विशिष्ट सेवा हेतु राष्ट्रपति पुलिस पदक दिया जाएगा। पुलिस महानिरीक्षक के पद पर रहते हुए इन्होंने न सिर्फ नक्सल विरोधी अभियान का कुशलतापूर्वक संचालन किया वरन नक्सल प्रभावित क्षेत्र में पहली बार 6000 सुरक्षा बलों को प्रवेश कराने में इनका विशिष्ट योगदान रहा।

अब्दुल समीर निरीक्षक बीजापुर, अंबिका प्रसाद ध्रुव उपनिरीक्षक बीजापुर को पुलिस वीरता पदक दिया जाएगा। इन्होंने अदम्य साहस का परिचय देते हुए बीजापुर जिला के थाना गंगालूर क्षेत्र के ग्राम पिड़िया में नक्सलियों से हुई मुठभेड़ में वर्ष 2013 में 1 नक्सली को मार गिराया था।

प्रशांत अग्रवाल पुलिस अधीक्षक, लक्ष्मण केवट निरीक्षक को पुलिस वीरता पदक दिया जाएगा। इनके अलावा अजीत कुमार ओगरे निरीक्षक, मुकेश यादव निरीक्षक, सुबोध कुमार सहायक प्लाटून कमांडर, दौलतराम पोर्ते अनुविभागीय अधिकारी, गेंद सिंह ठाकुर निरीक्षक को पुलिस वीरता पदक दिया जाएगा।

सराहनीय सेवा हेतु भारतीय पुलिस पदक बी एस ध्रुव सेनानी, कमलोचन कश्यप पुलिस अधीक्षक, मोतीलाल कोटवानी पुलिस अधीक्षक, ब्रिजेश पथरोलिया निरीक्षक, दिलीप कुमार राणा प्लाटून कमांडर, नमिता टेकाम उपनिरीक्षक, छित्तर सिंह जाट सहायक उपनिरीक्षक, प्रधान आरक्षक लेखमणि सिंह, परेजलाल सिंह, जुगल किशोर सपहा को पुलिस वीरता से सम्मानित किया जाएगा। इस वर्ष तोसन प्रसाद तिवारी, प्लाटून कमांडर शोभाराम नागवंशी हवलदार, हेमसिंह गोड़ नायक एवं गेंदलाल मोटधरे नायक को गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा पदक दिया जाएगा।

सीनियर नेशनल तलवार बाजी में छत्तीसगढ़ की दो टीमों ने जीते कांस्य पदक मुख्यमंत्री ने दी बधाई

रायपुर, 25 जनवरी। मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह से उनके निवास कार्यालय में सीनियर नेशनल तलवार बाजी चैम्पियनशिप में कांस्य पदक विजेता छत्तीसगढ़ की टीम के खिलाड़ियों ने मुलाकात की। इस प्रतियोगिता का आयोजन राजधानी रायपुर के इंडोर स्टेडियम में 11 से 14 जनवरी तक किया गया।

मुख्यमंत्री से फाइल तलवार वर्ग की कांस्य पदक विजेता छत्तीसगढ़ की टीम के खिलाड़ियों रोजित सिंह, तूफान सिंह, अनुराग चौधरी और अनूप चौधरी तथा इपी तलवार वर्ग में कांस्य पदक विजेता टीम के खिलाड़ियों आर.एस.सरजिन, एस.एन.मंगेश, व्ही. जानसन सोलोमन और मोहम्मद शिराज खान ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई और उज्जवल भविष्य के लिए आशीष प्रदान किया। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव सोनमणि बोरा, भारतीय ओलंपिक संघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य विक्रम सिसोदिया भी उपस्थित थे।

सफाई देखने 27 को रायपुर आएगी केंद्र की टीम

तीन दिन रहकर तैयार करेगी रिपोर्ट

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 25 जनवरी। केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय की एक टीम 27 से 29 जनवरी तक रायपुर में रहकर यहां की सफाई व्यवस्था देखेगी। इस दौरान ओडीएफ घोषित समेत अधिकांश वार्डों में सुलभ शौचालय, चौक-चौराहों व नालियों की सफाई जानकारी लेते हुए आम लोगों से चर्चा करेगी। दस्तावेजों की पड़ताल करते हुए निगम अधिकारियों-पदाधिकारियों से जानकारी लेगी। इसके बाद यह रिपोर्ट केंद्र सरकार को दी जाएगी।

बताया गया कि केंद्र की यह टीम 27 जनवरी को सुबह रायपुर पहुंचेगी। इसके बाद निगम मुख्यालय में महापौर, पार्षदों व निगम अधिकारियों की बैठक लेकर स्वच्छ सिटी सर्वे के तहत उठाए गए कदम के संबंध में चर्चा करेगी। दस्तावेजों की जांच कर आगे की योजना के बारे में भी पूछेगी। इस दौरान निगम पदाधिकारी, अधिकारी उन्हें योजनाओं की जानकारी देते हुए स्वच्छ सिटी को लेकर चलाए जा रहे अभियान और कार्यों के बारे में बताएंगे।

निगम अधिकारियों का कहना है कि निगम मुख्यालय में जानकारी लेने के बाद यह टीम वार्डों तक पहुंच कर संबंधित कार्यों को देखेगी। वहां आसपास के लोगों से चर्चा कर सफाई संबंधी कार्यों के बारे में पूछेगी। उनसे यह जानना चाहेगी कि वार्डों की सफाई समय पर हो रही है कि नहीं। गीले-सूखे कचरे अलग-अलग उठाए जा रहे हैं या नहीं। गीले कचरों का निपटान कहां और कैसे कर रहे हैं। खासकर ओडीएफ घोषित वार्डों में सफाई का बारीकी से निरीक्षण करते हुए उसकी फोटोग्राफी कराएगी।

उनका कहना है कि सफाई को लेकर वार्डों से कितनी शिकायतें आ रही है और उसका समय पर निराकरण हो रहा है या नहीं, इसकी भी जानकारी लेगी। गड़बड़ी मिलने पर उसका कारण जानने का प्रयास करेगी। केंद्र की यह टीम रायपुर, दुर्ग-भिलाई, राजनांदगांव, जगदलपुर, रायगढ़ समेत 9 शहरों की सफाई देखने आ रही है। एक-एक कर इन सभी शहरों तक पहुंच कर सफाई का सर्वे करेगी।

पहले पेज से आगे

प्रियंका से ज्यादा खूबसूरत स्मृति-कटियार

अगर वो मेरी उन मजबूत, बहादुर और सुंदर साथियों, जिन्होंने बड़ी मुश्किलों को पार कर ये मुकाम पाया है, उनमें सिर्फ यही देखते हैं तो मुझे इसपर हंसी आती है। उन्होंने देश की आधी आबादी को लेकर बीजेपी की मानसिकता को उजागर कर दिया है।

प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश में पहली बार अमेठी-रायबरेली से बाहर प्रचार करने जा रही हैं। कांग्रेस ने उन्हें अपना स्टार कैम्पेनर बनाया है। अभी उन्होंने प्रचार शुरू नहीं किया है पर उनके खिलाफ बयानबाजी शुरू हो गई है।

बुधवार को आज तक से बातचीत के दौरान बीजेपी नेता कटियार ने कहा, प्रियंका गांधी सुंदर महिला हैं। अच्छा हैं वे प्रचार करें, बहुत दिनों से निकली नहीं हैं, लेकिन उनसे ज्यादा सुंदर महिलाएं तो बीजेपी में हैं, जिन्हें हम लगा देंगे। उन्होंने कहा, जितना प्रियंका को खूबसूरत बताया जाता है, वो उतनी खूबसूरत नहीं हैं। हमारे यहां स्मृति ईरानी हैं जो जहां जाती हैं वहां भीड़ लग जाती है। वह उनसे कहीं ज्यादा भाषण देती हैं।

इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा, विनय कटियार जैसे लोग बनते राम के पुजारी हैं, लेकिन भाषा रावण की बोलते हैं। ऐसे लोगों को पागलखाने भेजना चाहिए।

विनय कटियार ने कहा कि राम मंदिर जरूर बनेगा और इसे बनने से दुनिया की कोई ताकत नहीं रोक सकती। आज तक संवाददाता से बात करते हुए विनय कटियार ने कहा, हाई कोर्ट ने हमारे पक्ष में निर्ण दिया है। उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला भी हमारे पक्ष में आएगा। अगर मंदिर पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला हमारे पक्ष में नहीं आता है तो संसद में कानून बनाने से लेकर आंदोलन करने तक के सारे रास्ते अपनाएंगे, लेकिन राम मंदिर जरूर बनाएंगे।

बाहरी बनाम यूपी के बेटों के सवाल पर विनय कटियार ने कहा, अखिलेश यादव को सोनिया गांधी से जाकर पूछना चाहिए कि बाहरी कौन है। उसके बाद अखिलेश और राहुल गांधी को समझ में आ जाएगा। पूरा देश जानता है कि सोनिया गांधी विदेशी महिला है और इटली की रहने वाली है।

वोट की इज्जत बेटियों की इज्जत से बड़ी

के दौरान शरद यादव ने दक्षिण भारतीय महिलाओं की स्किन के कलर पर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि भारतीयों को गोरे रंग के प्रति आसक्ति है। तभी तो विदेशी निवेश की पैरवी की जा रही है। यहां तो शादी के लिए छपने वाले विज्ञापनों में भी गोरी दुल्हन की चाहत की जाती है। उनके इस बयान की भी काफी निंदा हुई थी।

राज्यपाल रायपुर, रमन जगदलपुर में फहराएंगे तिरंगा

मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह जगदलपुर में ध्वजारोहण कर कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। रायपुर समेत प्रदेशभर में हर साल की तरह इस साल भी यह पर्व उत्साह और उमंग के साथ मनाने की तैयारी जोरों पर है। सभी सरकारी व अर्ध सरकारी भवन साफ-सफाई के साथ बिजली से रोशन किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान यहां अलग-अलग विभागों की रंग-बिरंगी झांकी निकाली जाएगी। स्कूली बच्चे खेलकूद के साथ कई कार्यक्रम पेश करेंगे।

सामान्य प्रशासन विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल बलौदाबजार एवं विधानसभा उपाध्यक्ष बद्रीधर दीवान जांजगीर-चांपा में तिरंगा झंडा फहराएंगे। पंचायत मंत्री अजय चन्द्राकर धमतरी, नगरीय प्रशासन मंत्री अमर अग्रवाल बिलासपुर व कृषि मंत्री बृजमोहन अग्रवाल रायगढ़ में ध्वजारोहण करेंगे।

स्कूल शिक्षा मंत्री केदार कश्यप दक्षिण बस्तर (दंतेवाड़ा), उच्च शिक्षा मंत्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय दुर्ग, खाद्य मंत्री पुन्नूलाल मोहले मुंगेली, लोक निर्माण मंत्री राजेश मूणत राजनांदगांव, गृह मंत्री रामसेवक पैकरा सरगुजा में ध्वजारोहण कर सभा को संबोधित करेंगे। महिला बाल विकास मंत्री रमशिला साहू बालोद, पर्यटन-संस्कृति मंत्री दयालदास बघेल बेमेतरा, वन मंत्री महेश गागड़ा बीजापुर, खेल मंत्री भईयालाल राजवाड़े बैकुंठपुर (कोरिया) में राष्ट्रीय ध्वज लहराएंगे।

संसदीय सचिवों में चंपादेवी पावले सूरजपुर, गोवर्धन मांझी गरियाबंद, शिवशंकर पैकरा जशपुर में ध्वजारोहण करेंगे। संसदीय सचिव लाभचंद बाफना उत्तर बस्तर (कांकेर), रूपकुमारी चौधरी महासमुंद, मोतीराम चंद्रवंशी कवर्धा (कबीरधाम), लखन देवांगन कोरबा, राजू सिंह क्षत्रीय कोण्डागांव, सुनीति राठिया बलरामपुर, अंबेश जांगड़े नारायणपुर व तोखन साहू सुकमा में झंडा फहराएंगे।

पेज 12 से आगे

8 प्रतिशत रिटर्न देने वाली नई वरिष्ठ पेंशन बीमा योजना

एलआईसी गारंटी के साथ 10 साल के लिए 8 प्रतिशत रिटर्न उपलब्ध करवाएगी। नव वर्ष की पूर्व संध्या पर पीएम मोदी ने अपनी स्पीच में इस तरह की योजना का जिक्र किया था जिसे उनकी अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में मंजूरी दी गई। इसके तहत पेंशन के लिए मासिक, तिमाही, छमाही और सालाना आधार पर भुगतान का विकल्प चुन सकते हैं। यह कदम सरकार की सामाजिक सुरक्षा और वित्तीय समावेशन कार्यक्रम के तहत उठाया गया है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वरिष्ठ पेंशन बीमा योजना 2017 शुरू करने को पूर्वव्यापी तौर पर मंजूरी दे दी है।

इस योजना का लक्ष्य 60 साल और अधिक आयु वाले बुजुर्गों को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध करवाना है। इसके जरिए उन्हें बाजार की अनिश्चित परिस्थितियों के बीच सुरक्षा दी जाएगी। सरकार के वक्तव्य में यह साफ कर दिया गया है कि इस तरह के निवेश पर जीवन बीमा निगम को जो रिटर्न मिलेगा, उसमें और 8 प्रतिशत रिटर्न के बीच यदि कोई अंतर होगा तो सरकार सालाना आधार पर उसकी भरपाई करेगी।

इसके तहत कहा गया है कि इस योजना के लागू होने की तिथि से यह एक साल तक के लिए खुली रहेगी।

फाइनैंशल प्लानर्स के मुताबिक, आने वाले समय में ब्याज दरों में और अधिक कटौती होनी है और ऐसे में 8 फीसदी की पेंशन स्कीम निवेश का अच्छा मौका है। हालांकि इस योजना से प्री-मच्योर विदड्रॉल को लेकर अभी स्थिति साफ नहीं की गई है। एसबीआई ने सीनियर सिटीजन्स को 5 से 19 साल की एफडी पर 7 फीसदी के इंट्रेस्ट रेट पर ब्याज देती है। वहीं सीनियर सिटीजन्स सेविंग स्कीम के तहत 8.5 फीसदी इंट्रेस्ट रेट है। हालांकि अटकलें लग रही हैं कि चूंकि ब्याज दरें लगातार कम हो ही रही हैं, तो ऐसे में इसमें भी ब्याज दर घटाई जा सकती है। वरिष्ठ पेंशन बीमा योजना 2017 केंद्र सरकार का पेंशन प्लान है इसलिए इसमें निवेश थोड़ा जोखिमभरा तो है ही।

पेज 7 से आगे

जितनी नीतीश को है, उससे ज्यादा भाजपा को उनकी

जयललिता के निधन के बाद अन्नाद्रमुक महासचिव बनीं शशिकला और तमिनलाडु के मुख्यमंत्री पनीरसेल्वम से भाजपा के लगातार संपर्क में रहने को भी राष्ट्रपति चुनावों से ही जोड़कर देखा जा रहा है।

लेकिन यह तो भाजपा की ओर से नीतीश से संबंधों को ठीक करने की तात्कालिक या यों कहें कि मध्यम अवधि की वजह हुई। क्या इसके पीछे कोई दीर्घकालिक योजना भी है? इसके जवाब में बिहार भाजपा के एक वरिष्ठ नेता बताते हैं, '2015 के विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद पार्टी के कई नेताओं की यह राय बनी कि जिस तरह की जातिगत राजनीति बिहार में है, उसमें अगर नीतीश और लालू एक साथ रहते हैं तो भाजपा के लिए अपनी स्थिति ठीक करना बेहद मुश्किल होगा। ऐसे में दो ही स्थितियां हैं जिनमें भाजपा का फायदा है। या तो नीतीश और लालू अलग-अलग हो जाएं। इस स्थिति में भाजपा, रामविलास पासवान और उपेंद्र कुशवाहा मिलकर बिहार में दूसरों पर भारी पड़ेंगे। जैसा 2014 के लोकसभा चुनावों में दिखा था। दूसरी स्थिति यह है कि नीतीश और भाजपा फिर से एक साथ आ जाएं। ऐसे में बिहार की राजनीति फिर से करीब-करीब एकतरफा हो जाएगी।'

तो क्या निकट भविष्य में भाजपा और नीतीश कुमार फिर से एक हो जाएंगे? इस सवाल के जवाब में बिहार भाजपा के नेता कहते हैं, 'भाजपा कोई जल्दबाजी में नहीं हैं और नीतीश कुमार के राजनीतिक अनुभव को देखते हुए मैं यह कह सकता हूं कि वे भी कोई जल्दबाजी में नहीं होंगे। जल्दबाजी से दोनों पक्षों को फायदा कम और नुकसान अधिक हो सकता है।' (http://satyagrah.scroll.in/)

कैलाश, अनुराधा, विराट, दीपा, साक्षी को पद्मश्री

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एनडीटीवी)। पद्मश्री पुरस्कारों की घोषणा जल्द ही संभव है। सूत्रों के अनुसार इस वर्ष इस सूची में पार्श्व गायिका अनुराधा पौड़वाल, गायक कैलाश खेर, क्रिकेटर विराट कोहली, पैरा एथलीट दीपा मलिक, जिम्नास्ट दीपा कर्मकार, जानी मानी फिल्म पत्रकार भावना सोमैया, पूर्व राजनयिक और कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल के बड़े भाई कंवल सिब्बल, शेफ संजीव कपूर, हिन्दी लेखक नरेंद्र कोहली, डिस्कस थ्रोवर विकास गौड़ा और काशीनाथ पंडित संगीतकार टीएन मूर्ति ,साहित्यकार अली अहमद, प्रोफेसर हरि किशन सिंह को यह पुरस्कार दिया गया है।

पद्म श्री या पद्मश्री, भारत सरकार द्वारा आम तौर पर सिर्फ भारतीय नागरिकों को दिया जाने वाला सम्मान है जो जीवन के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कि, कला, शिक्षा, उद्योग, साहित्य, विज्ञान, खेल, चिकित्सा, समाज सेवा और सार्वजनिक जीवन आदि में उनके विशिष्ट योगदान को मान्यता प्रदान करने के लिए दिया जाता है। भारत के नागरिक पुरस्कारों के पदानुक्रम में यह चौथा पुरस्कार है इससे पहले क्रमशः भारत रत्न, पद्म विभूषण और पद्म भूषण का स्थान है। इसके अग्रभाग पर, पद्म और श्री शब्द देवनागरी लिपि में अंकित रहते हैं।

गणतंत्र दिवस हमारे महान लोकतंत्र की स्थापना का महापर्व-रमन सिंह

रायपुर, 25 जनवरी। मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। डॉ. सिंह ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर आज यहां जारी बधाई संदेश में कहा है कि यह स्वतंत्र भारत में हमारे महान लोकतंत्र की स्थापना का महापर्व है।

उन्होंने कहा- 15 अगस्त 1947 में देश आजाद हुआ और 26 जनवरी 1950 को स्वतंत्र भारत लोकतांत्रिक संविधान देश में लागू हुआ। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों सहित संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बडेकर और तत्कालीन संविधान सभा के समस्त सदस्यों को याद करते हुए कहा कि देश में संविधान के जरिए लोकतंत्र की स्थापना में उनका ऐतिहासिक योगदान था।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सभी लोगों से आजादी और लोकतंत्र की रक्षा के लिए हमेशा सजग रहने का आव्हान किया है। उन्होंने छत्तीसगढ़ सहित देश के सभी किसानों, मजदूरों, आम नागरिकों और समाज के सभी वर्गो के लिए सुख-समृद्धि की कामना की है। डॉ. सिंह ने छत्तीसगढ़ की जनता की खुशहाली और राज्य की तरक्की के लिए अपनी सरकार की वचनबद्धता को दोहराते हुए कहा है कि प्रदेशवासियों की मेहनत से राज्य लगातार विकास की ओर अग्रसर है। छत्तीसगढ़ बहुत जल्द भारत के सर्वाधिक विकसित राज्य के रूप में पहचाना जाएगा।

देश में करीब आधे वकील फर्जी -बार काउंसिल ऑफ इंडिया

नई दिल्ली, 25 जनवरी (टाईम्स ऑफ इंडिया)। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के आंकड़े के मुताबिक देश में करीब आधे वकील फर्जी हैं। खबर के मुताबिक बीसीआई ने दो साल पहले वकीलों की डिग्री जांचने के लिए एक अभियान चलाया था। इसमें यह बात सामने आई कि केवल 55 से 60 फीसदी की डिग्री ही असली है या उनके पास वैध लाइसेंस है। बीते हफ्ते काउंसिल के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जेसएस खेहर और अन्य वरिष्ठ न्यायाधीशों को इसकी जानकारी दी है।

The Jallikattu Imbroglio - Identifying the Culprits

Cont. from page- 7

notification because it had merely restored status quo ante and the Supreme Court itself had upheld the legality of the Tamil Nadu legislation in 2010. If the Tamil public had not launched the mass agitation, the Supreme Court stay may have continued indefinitely, with GOI and GOTN making sympathetic noises and expressing their helplessness since the matter is sub judice! Thanks to the agitation, GOI, GOTN and hopefully the Judiciary have been forced to come out of their lethargy and condescension.

7. Any person who has some knowledge of the rural economy is aware that a cowherd often faces the problem of bulls and cows straying from the herd and running away. *In such circumstances, the cowherd must be skillful enough to subdue the runaway bull or cow and bring it back to the herd*. In the process, the cowherd may have to apply some force on the animal, and the cowherd himself may get injured, but these are occupational hazards. Such instances occur day in and day out in rural areas throughout the country. The ancient Tamils invented the sport of Jallikattu by which the bull taming skills of cowherds could be sharpened. The ancient Tamil Kings encouraged the sport as it enabled the rural youth to retain their valour and hone their fighting skills during peace time and not become 'softies'. I would think that Jallikattu was a commendable innovation and essential for a rural, pastoral economy.

8. Since the Jallikattu bulls are specially bred for their ferocity, and the owners are proud of their bulls (the way owners of race horses are proud of their horses), the allegations of cruelty are far fetched and exaggerated. A few negative examples cannot sully the image of the entire sport just as a few instances of match fixing in Cricket or a few cases of doping in Olympics cannot be cited to tarnish Cricket and Olympics as a whole. It is vainglorious on the part of PETA and other urban middle class liberals (and their backers in the Judiciary or the Executive), who have little or no understanding of the rural society and economy, to presume that they have the right to teach rural folk how to look after their bulls.

9. *Thomas Jefferson said, "A little rebellion now and then is a good thing and it is as necessary in the political world as are storms in the physical".* I too believe that a little agitation now and then keeps a government on its toes and can be the harbinger of genuine change! The implementation of reservations, the formation of linguistic States, the continuance of English as an official language (along with Hindi) - to cite 3 major examples - would not have been possible but for mass public agitation. We need more civil action of this kind not only in Tamil Nadu but in India as a whole on various issues."